भजन

तर्ज–तेरे बिन सूने नैन हमारे

तेरे इश्क बिन आत्म प्यासी
दूर करो पिया अब ये उदासी

1–इन रुहो के दिन और रेना
तलफत बीते नाही चौना
तुम हो पिया मेरे सदा सुख विलासी
2–जिनके दूल्हा हो सुखदाई
उनके हाल पे क्या बन आई
सच्चिदानन्द मेरे पिया अविनाशी
3– अपने तनो को आप जगा लो
रूहें तुमारी है आप मे मिला लो
आप ही दोगे पिया अखंड उलासी
4–इश्के दरद में साचां सुख है
इश्क बिना यहां हर पल दुख है
बहुत परेशां उम्मत खासी